Chapter-1

सत्ता की साझेदारी

https://parikshasolutions.blogspot.com

PAGE NO.
DATE: / /

~~सत्~~ सत्ता की साझेदारी क्या है ?

Ans- सत्ता की साझेदारी ऐसी शासन व्यवस्था होती है। जिसमें समाज के प्रत्येक समूह और समुदाय की भागीदारी होती है। सत्ता की साझेदारी ही लोकतंत्र का मूलमंत्र है।

~~बेल्जियम~~

आधुनिक लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में सत्ता की साझेदारी के अलग-अलग तरीके क्या है ? इनमें से प्रत्येक का एक उदाहरण भी दें।

Ans- आधुनिक लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में सत्ता की साझेदारी के अनेक रूप हो सकते है जो निम्न है—

(i) सत्ता के विभिन्न अंगो के बीच साझेदारी— इसमें विधायिका कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच क्षैतिज रूप मे सत्ता की साझेदारी होती है। ऐसे बँटवारे मे कोई भी अंग सत्ता का असीमित प्रयोग नही कर सकता क्योंकि हर अंग दूसरे अंग पर अंकुश रखता है। इस व्यवस्था को नियंत्रण और संतुलन की व्यवस्था भी कहते हैं।

(ii) सरकार के बीच विभिन्न स्तरों पर सत्ता का बँटवारा— इसमें संघ (केंद्र) और राज्य सरकार के स्तरो पर सत्ता की साझेदारी होती है।

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

PAGE NO
DATE: / /

(iii) विभिन्न सामाजिक समूहों के बीच सत्ता का बँटवारा — इसमें विभिन्न सामाजिक समूहों आभाषी और आर्थिक समूहों के बीच सत्ता का बँटवारा होता है। ऐसा करने के पीछे सबसे बड़ा कारण विभिन्न भाषा एवं धर्म के लोगों को सत्ता में उचित साझेदारी मिलती है।

(iv) दबाव समूहों के बीच सत्ता का बँटवारा — इसमें विभिन्न दबाव समूह जैसे व्यापारी, उद्योगपति, किसान और औद्योगिक मजदूर जैसे कई हित समूह, दबाव समूह और आंदोलन के रूप में हिस्सेदारी करते है।

भारतीय संदर्भ में सत्ता की हिस्सेदारी का एक उदाहरण देते हुए इसका एक युक्तिपरक और एक नैतिक कारण बताएँ।

Ans — (i) युक्तिपरक कारण — भारत विविधताओ का देश है ऐसे में एक कानून व्यवस्था से शांति व्यवस्था स्थापित करना संभव नही है। ऐसे में सत्ता के विभिन्न स्तरों को महत्व दिया गया है तथा उनके कार्य एवं अधिकार संविधान द्वारा साफ कर दिए गए है।

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

(ii) नैतिक कारण — हम यह जानते हैं कि अगर एक ही प्रकार की सरकार होगी तो ज्यादा से ज्यादा लोगों की भागीदारी सरकार में नहीं हो पाएगी क्योंकि एक ही सरकार के होने से वह निरंकुश हो जाएगी। इसलिए भारत में विभिन्न स्तरों पर सरकार का वर्गीकरण किया गया है।

इस अध्याय को पढ़ने के बाद तीन छात्रों ने अलग-अलग निष्कर्ष निकाले। आप इनमें से किससे सहमत हैं।

थॉमस — हर समाज में सत्ता की साझेदारी की जरूरत होती है भले ही वह छोटा हो या उसमें सामाजिक विभाजन न हो।

वत्सन — जिन समाजों में क्षेत्रीय, भाषायी और जातीय आधार पर विभाजन हो सिर्फ ~~विभाजन~~ वहां सत्ता की साझेदारी जरूरी है।

मथाई — सत्ता की साझेदारी सिर्फ ऐसे बड़े देशों के लिए उपयुक्त है जहां क्षेत्रीय विभाजन मौजूद होते हैं।

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

PAGE NO.
DATE: / /

Ans- मैं औसेफ के कथन से सहमत हूँ क्योंकि सत्ता का बँटवारा लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए बहुत जरूरी है चाहे समाज में विभाजन हो या न हो क्योंकि सत्ता की साझेदारी लोकतंत्र की आत्मा है और लोकतंत्र व्यवस्था वह है जिसके अंतर्गत लोगों के बीच सत्ता का बँटवारा हो।

बेल्जियम में ब्रूसेल्स के निकट स्थित शहर मूचटेम के मेयूर ने अपने यहाँ के स्कूलों में फ्रेंच बोलने पर लगी रोक को सही बताया है। उन्होंने कहा है कि इससे डच भाषा न बोलने वाले लोगों को इस प्लेमिश शहर के लोगों से जुड़ने में मदद मिलेगी। क्या आप को लगता है कि यह फैसला बेल्जियम की सत्ता की साझेदारी की व्यवस्था की मूल भावना से मेल खाता है? अपना जवाब करीब 50 शब्दों में लिखें।

Ans- स्कूलों में फ्रेंच बोलने पर रोक लगाना बेल्जियम की सत्ता के साझेदारी के मूल भावना के खिलाफ है क्योंकि बेल्जियम में जो व्यवस्था अपनाई गई उसमें सभी भाषा के लोगों को समान अधिकार दिए गए थे।

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

PAGE NO.
DATE: / /

नीचे दिए गई उद्धरण को गौर से पढ़े और इसमें सत्ता की साझेदारी के जो युक्तिपरक कारण बताए गए है उसमें से किसी एक का चुनाव करें।

~~Ans~~ महात्मा गाँधी के सपनों को साकार करने और अपने संविधान निर्माताओं की उम्मीदों को पूरा करने के लिए हमें ~~पंचाल पंचायतों~~ पंचायतों को अधिकार देने की जरूरत है। पंचायती राज ही वास्तविक लोकतंत्र की स्थापना करता है। यह सत्ता उन लोगों के हाथों में सौंपता है जिनके हाथों में इसे होना चाहिए। भ्रष्टाचार कम करने और प्रशासनिक कुशलता को बढ़ाने का एक उपाय पंचायतों को अधिकार देना भी है। जब विकास की योजनाओं को बनाने और लागू करने में लोगों की भागीदारी होगी तो इन योजनाओं पर उनका नियंत्रण बढ़ेगा। इससे भ्रष्ट बिचौलियों को खत्म किया जा सकेगा। इस प्रकार पंचायती राज लोकतंत्र की नींव को मजबूत करेगा।

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

PAGE NO.
DATE: / /

Ans— इस उदाहरण द्वारा यह बतलाने की कोशिश की गई कि पंचायतों के स्तर पर सत्ता का बँटवारा होना चाहिए। चूँकि स्थानीय लोग अपनी समस्याओं को भली-भाँति जानते हैं ऐसे में वे स्वयं योजना बनाकर इन समस्याओं का शीघ्र सम्मान करेंगे। इससे भ्रष्टाचार एवं बिचौलियों को खत्म किया जा सकेगा। जिससे हमारा लोकतंत्र मजबूत होगा।

सत्ता के बँटवारे के पक्ष और विपक्ष में कई तरह के तर्क दिए जाते हैं। इनमें से जो तर्क सत्ता के बँटवारे के पक्ष में हैं उनको पहचान करें और नीचे दिए गए कोड से अपने उत्तर का चुनाव करें।
सत्ता की साझेदारी—
(क) विभिन्न समुदायों के बीच टकराव को कम करती है।
(ख) पक्षपात का अंदेशा कम करती है।
(ग) निर्णय लेने की प्रक्रिया को अटका देती है।
(घ) विविधताओं को अपने में समेट लेती है।
(ङ) अस्थिरता और आपसी फूट को बढ़ाती है।
(च) सत्ता में लोगों की भागीदारी बढ़ाती है।
(छ) देश की एकता को कमजोर करती है।

Ans— (स) — क, ख, घ, च

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

बेल्जियम और श्री लंका की सत्ता में साझेदारी की व्यवस्था के बारे में निम्नलिखित बयानों पर विचार करें—

(क) बेल्जियम में डच-भाषी बहुसंख्यकों का प्रभुत्व बनाए रखने का प्रयास किया।

(ख) सरकार की नीतियों ने सिंहली-भाषी बहुसंख्यकों का प्रभाव प्रभुत्व बनाए रखने का प्रयास किया।

(ग) अपनी संस्कृति और भाषा को बचाने तथा शिक्षा तथा रोजगार में समानता के अवसर के लिए श्रीलंका के तमिलों ने सत्ता को संघीय ढाँचे पर बाँटने की माँग की।

(घ) बेल्जियम में एकात्मक सरकार की जगह संघीय शासन व्यवस्था लाकर मुल्क को भाषा के आधार पर टूटने से बचा लिया गया।

ऊपर दिए गए बयानों में से कौन से सही है।

Ans— (आ) ख, ग और घ

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

PAGE NO.
DATE: / /

सूची I [सत्ता के बँटवारे के स्वरूप] और सूची II [शासन के स्वरूप] में मेल कराएं और नीचे दिए गए कोड का उपयोग करते हुए सही जवाब दें।

सूची I ⇒
(i) सरकार के विभिन्न अंगों के बीच सत्ता का बँटवारा
(ii) विभिन्न स्तर की सरकारों के बीच अधिकारों का बँटवारा
(iii) विभिन्न सामाजिक समूहों के बीच सत्ता की साझेदारी।
(iv) दो या अधिक दलों के बीच सत्ता की साझेदारी।

सूची - II ⇒
(क) सामुदायिक सरकार
(ख) अधिकारों का वितरण
(ग) गठबंधन सरकार
(घ) संघीय सरकार

Ans- (गा) (i) - ख,
(ii) - घ,
(iii) - क,
(iv) - ग

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

PAGE NO.
DATE: / /

सत्ता की साझेदारी के बारे में निम्नलिखित दो बयानों पर गौर करें और नीचे दिए गए कोड के आधार पर जवाब दें —
(अ) सत्ता की साझेदारी लोकतंत्र के लिए लाभकर है।
(ब) इससे सामाजिक समूहों में टकराव का अंदेशा घटता है।

इन बयानों में कौन सही है और कौन गलत?
(क) अ सही है लेकिन ब गलत है।
(ख) अ और ब दोनों सही हैं।
(ग) अ और ब दोनों गलत हैं।
(घ) अ ~~गलत~~ गलत है लेकिन ब सही है।

Ans — (ख) अ और ब दोनों सही हैं।

सत्ता की साझेदारी का क्या अर्थ है?
Ans — ~~सत्ता~~ क सरकार के विभिन्न अंगों के बीच शक्ति का विभाजन या विभिन्न स्तरों पर सरकार में शक्तियों का विभाजन।

गठबंधन ~~सरकार~~ सरकार क्या है?
Ans — एक से अधिक राजनीतिक पार्टियों द्वारा साथ मिलकर बनाई गई सरकार को गठबंधन सरकार कहते हैं।

www.notesdrive.com

सत्ता की साझेदारी क्यो जरूरी है?

अथवा

लोकतंत्र में सत्ता की साझेदारी आवश्यक क्यों है? व्याख्या करें।

Ans- (i) सत्ता की साझेदारी विभिन्न सामाजिक समूहो के बीच टकराव की संभावना को कम कर देती है।

(ii) यह राजनीतिक स्थिरता सुनिश्चित करने का एक अच्छा तरीका है।

(iii) सत्ता की साझेदारी वास्तव में लोकतंत्र की आत्मा है। लोकतंत्र का ~~आत्म~~ अर्थ ही होता है कि जो लोग इस शासन व्यवस्था के अंतर्गत है, उनके बीच सत्ता को बाँटा जाए।

(iv)

https://parikshasolutions.blogspot.com

www.notesdrive.com

www.notesdrive.com